Re: Need to provide reservation to Maratha and Dhangar Communities in Maharashtra - laid

श्री प्रतापराव पाटिल चिखलीकर **(नांदेड़):** महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण की मांगें अत्यन्त तीव्रता से की जा रही हैं। मराठा समाज की ओर से 58 महा मोर्चे प्रत्येक जिले में निकाले गये और इन मोर्चों में लाखो की संख्या में मराठा समाज के लोगों ने भाग लिया उसके बाद तत्कालीन महाराष्ट्र सरकार के उस समय के मुख्यमंत्री ने मराठा समाज को आरक्षण दिया था इस सन्दर्भ में माननीय उच्च न्यायालय में आरक्षण मान्य हुआ। लेकिन सर्वोच्च न्यायालय ने मराठा आरक्षण को नकार दिया, जिसके कारण मराठा समाज निराश हो गया और अनेकों ने आत्महत्या कर ली, इसी समय 14 अक्टूबर से महाराष्ट्र में विभिन्न जगहों पर आमरण उपोषण शुरु हो गया और बहुत छोटे-छोटे गाँवों में भी उपोषण हो रहे है। जालना जिले में आन्तरवाली सराटी के मनोज जंरागे पाटिल के उपोषण ने महाराष्ट्र के साथ ही पूरे देश का ध्यान खीचा, कई जगहों पर आन्दोलनकारियों द्वारा हिंसक रुप धारण किया गया और लोकप्रतिनिधियों को गांवों में ही कैद किया गया तथा उनके घरों पर पत्थर बाजी भी की गई, तथा घर भी गिराये गये। मराठा समाज अत्यन्त आक्रमक हो रहा है. इस समाज को आरक्षण की अत्यन्त आवश्यकता है। इसके साथ ही धनगर समाज का भी आरक्षण का प्रश्न है। मराठा समाज अत्यन्त विकट आर्थिक परिस्थितियों में अस्त व्यस्त जीवन जी रहा है। अनेक विद्यार्थी निराश होकर आत्महत्या कर रहे हैं। मराठा समाज कृषि कार्य से ही जीवन यापन करता है। इसके मद्देनजर मराठा और कुणबी मराठा दोनों एकत्र है। मराठा समाज को कुणबी मराठा के साथ ही ओ.बी.सी वर्ग में आरक्षण देना आवश्यक है। मेरी केन्द्र सरकार से मांग है कि मराठा समाज को और धनगर समाज को आरक्षण देने हेतु कार्यवाही करे ।